HINDI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answer must be written in HINDI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 100

(a) राजनीति में स्त्रियों की भूमिका

(b) क्या भारत को चीनी अर्थव्यवस्था की वृद्धि से डरना चाहिए?

(c) भारतीय समाज में तलाक की स्वीकृति में वृद्धि

(d) क्या कठोर क़ानून नैतिकता के पालन के लिए बाध्यकारी हो सकते हैं?

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके आधार पर, उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट और शुद्ध भाषा में दीजिए : 12×5=60

वैश्विक पैमाने पर लोगों की एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने की प्रक्रिया शताब्दियों पहले शुरू हुई थी जब मनुष्य जाति ने समूहों में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में विभिन्न कारणों से जाना शुरू किया। ये कारण थे—चारागाहों अथवा कृषियोग्य भूमि की तलाश, निष्ठुर शासन अथवा यंत्रणा से पलायन, विचार अथवा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की चाहत अथवा मात्र घूमने की लालसा। आप्रवासी अपने सामान की तरह अपने सांस्कृतिक आधिपत्य को सँजोते हैं और मार्ग में अथवा नयी व्यवस्था में उसे प्रोन्नत करने का प्रयत्न करते हैं। मार्ग में मिलने वाली दूसरी जनजातियों से वे या तो युद्ध या व्यापार या विवाह या समान उपक्रमों के माध्यम से साहचर्य स्थापित करते हैं। शुरुआत में वाग्युद्ध का तनावपूर्ण समय रहता है, कुछ समय बाद वातावरण शान्त हो जाता है और शान्ति अपने पूरे कौशल एवं रचनात्मकता के साथ फलने-फूलने लगती है। लेन-देन सम्बन्धों का आधार बन जाता है। किसी भी संस्कृति के आधिपत्य के बिना एक स्वतंत्र वातावरण में प्रत्येक समूह एक बहुमुखीन समाज के रूप में पनपता है। अतः सम्भव है कि मंगोलिया के लोग अलास्का चले गए हों, एंग्लो-सेक्सन ब्रिटेन में बस गए हों, शायद हज़रत मूसा ने चुने हुए लोगों का पवित्र या पूर्व-निर्धारित भूमि की तलाश में नेतृत्व किया हो। शायद कोलम्बस ने यूरोपीय देशों को वैश्विक दुस्साहस की ओर अभिमुख करने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई हो। तभी से उपनिवेशवाद दूसरे देशों एवं संस्कृतियों को जीतने का एक साधन बन गया और इन विजित देशों को विजेताओं के प्रभुत्व में लाने लगा। आज व्यापार और धंधा बड़े पैमाने पर लोगों के एक देश से दूसरे देश को स्थानान्तरण के शक्तिशाली कारण हैं। प्रत्येक समूह पूर्वजों का अन्तर्बोध, पुराने घर की मीठी स्मृति, एक बीते हुए समय को सँजोए रखता है। एक या दो पीढ़ी गुज़र जाने के बाद सम्मिलन पुराने सम्बन्धों-सम्पर्कों के बहुत थोड़े निशान रहने देता है। शायद अगली शताब्दी में कोई यह भविष्यवाणी करने का ख़तरा उठाए कि दुनिया की आबादी अपनी पुरानी क्षेत्रीय पहचान को जीवित रखने में बहुत कठिनाई अनुभव करेगी। जिस समय हम जहाँ रहते हैं, वही हमारा क्षेत्र हो जाता है। हम नए स्थान के रंग-गंध के आदी हो जाते हैं। स्थानिकता वैश्विकता में घुल-मिल जाती है। आने वाले समय में बहुत-से थोड़े लोग ही रह जाएँगे जो अपनी पुरानी अस्मिता को बचाए रख सकने में सफल होंगे। नयी व्यवस्था समूचे तंत्र को सर्वत्र नवीकृत कर देगी। पहले से ही पुरानी मान्यताओं से मुक्त पीढ़ियाँ भविष्योन्मुख हैं एवं खोई हुई अस्मिताओं को सँजोए रखने की भावुकता से पूर्णतया मुक्त हैं। कोई भी संस्कृति या पुरुष या स्त्री पृथकतावाद में नहीं रह सकता। केन्द्र की ओर आने की प्रवृत्ति वाली और केन्द्र से हटने की प्रवृत्ति वाली शक्तियाँ थोड़े समय के लिए ही रह सकती हैं। असंख्य पीढ़ियों ने भले ही यह प्रार्थना की हो कि प्रत्येक नागरिक की वैयक्तिकता बनी रहे, अपनी आस्था में वह सुरक्षित रहे और बाहरी प्रभावों से अपने को पूर्णतया मुक्त